लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-8

समंत्रण : पहली बार बजट को लेकर लोगों ने दिए सुझाव

प्रदेश सरकार की ओर से एचएयू में आयोजित किया गया बजट पूर्व कार्यक्रम, कृषि मंत्री ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, विवि के कुलपतियों के साथ किया विचार-विमर्श

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। प्रदेश में पहली बार बजट को लेकर लोगों से सुझाव मांगे जा रहे हैं। इसी के तहत शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बजट पूर्व संमत्रण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विवि के बेसिक साइंस कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री जेपी दलाल ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों व विवि के कुलपतियों से बजट को किसानों के अनुरूप बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान कृषि क्षेत्र से जुड़े उद्योगपतियों व प्रगतिशील किसानों ने बजट को लेकर अपने सुझाव रखे।

बता दें कि इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शिरकत करनी थी। मगर चंडीगढ़ में मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, जिस वजह से वह इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। मुख्यमंत्री की जगह कृषि मंत्री जेपी दलाल ने यह बैठक ली। कार्यक्रम में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव पीके दास, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रधान सचिव नीरजा शेखर, हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह, महानिदेशक राजकोषीय प्रबंधन विकास गुप्ता, हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक जे गणेशन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के निदेशक शेखर विद्यार्थी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक चंद्रशेखर खरे, उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी, लुवास कुलपति गुरदयाल सिंह आदि मौजूद रहे।

एचएयू में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसान व विभिन्न विभागों के अधिकारी। अमर उजाला

एचएयू में किसानों के साथ आयोजित चर्चा के दौरान मंच पर उपस्थित कृषि मंत्री जेपी दलाल, कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अतिथि।

आर्गेनिक उत्पादों के लिए स्थापित होगी एजेंसी

कृषि मंत्री ने कहा कि आर्गेनिक उत्पादों की प्रमाणिकता के लिए जल्द ही एक एजेंसी स्थापित की जाएगी। आर्गेनिक प्रमाणिकता एजेंसी को विश्वविद्यालय और विभाग के माध्यम से संचालित किया जाएगा और प्रदेश के किसानों के आर्गेनिक उत्पादों के लिए प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी अपनी सहमति दे दी है। इसके अलावा गन्नौर की मंडी में किसानों की एफपीओ के लिए अलग प्लाट अलॉट करने के लिए बिडिंग करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि फसल भंडारण के कार्य में कई खामियां हैं, जिससे सरकार को भी इसमें दिक्कत आती है। कोशिश की जाएगी कि इस कार्य में किसान को शामिल कर उसकी आमदनी को भी बढ़ाया जाए। सरकार इस प्रयास में है कि दिल्ली के आसपास हरियाणा के अलग-अलग स्थानों पर ऐसे केंद्र स्थापित किए जाएं, जहां से दिल्ली एनसीआर में उत्पादों की सप्लाई हो और प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को इन केंद्रों तक पहुंचाएं। प्रदेश के किसान और कृषि जगत से जुड़े सभी संस्थानों को दिल्ली में रहने वाले लोगों की संख्या को ध्यान में रखते हुए उत्पादन को प्राथमिकता दें।

कार्यक्रम में उद्योगपतियों व किसानों ने भी बजट को लेकर रखे अपने सुझाव

बरानी जमीनों पर सोलर आधारित बिजली पैदा करने की योजना

उन्होंने कहा कि कहा कि बजट में पशु नस्ल सुधार के कार्य के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। हाल ही में ऐसा सीमन विकसित किया गया है, जिसके प्रयोग से केवल बछड़ी ही जन्म लेती है। इस सीमन को और सस्ता करने की कोशिश की जाएगी। सरकार कृषि व कृषि क्षेत्र और मछली पालन आदि से जुड़े लोगों के प्रोसेसिंग प्लांट के बिजली के रेटों को तर्कसंगत करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा प्रदेश में बरानी जमीनों को लीज पर लेकर सोलर आधारित बिजली पैदा करने की योजना है।

मशरूम कोल्ड स्टोर बनाने की योजना

अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि आगामी बजट में मशरूम कोल्ड स्टोर जैसी अनेक प्रकार की व्यवस्थाओं को शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश की गन्ना मिलों को सब्सिडी में शामिल में किया गया है ताकि किसानों को समय पर भुगतान हो सके। प्रदेश के कई हिस्सों में जल्द ही बासमती एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर एक बड़ी मिट्टी जांच लैब स्थापित की जाएगी।

एयरपोर्ट पर विकसित करेंगे ड्राई पोर्ट

वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने निर्यात केंद्र के बारे में दिए गए सुझाव पर कहा कि हिसार के हवाई अड्डे पर दूसरा रनवे जल्द ही तैयार हो जाएगा और यहां ड्राई पोर्ट विकसित करने की कोशिश की जाएगी ताकि प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को आसानी से निर्यात कर सके। उन्होंने उपस्थित किसानों से हिसार हवाई अड्डे के माध्यम से निर्यात की जा सकने वाली चीजों के बारे में सुझाव भी मांगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसानों को जल्द ही शुरू होने वाले दिल्ली-मुंबई रेल कॉरिडोर का लाभ मिलेगा।

ये रखे गए सुझाव

- पंजाब की तर्ज पर पशु मेलों का प्राइवेटाइजेशन किया जाए। पशु मेलों के लिए जगह उपलब्ध कराई जाए।
- देसी गायों की ब्रिडिंग पॉलिसी पर काम होना चाहिए।
- डेयरियों के लिए सस्ती बिजली व सोलर सिस्टम पर सब्सिडी का प्रावधान हो।
- मछली पालन के लिए सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में प्रोससिंग प्लांट लगाया जाए। मछली उत्पादन व्यवसाय शुरू करने के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाए। बोरिंग की अनुमति दी जाए। क्रेडिट कार्ड लीज वालों को भी मिले।
- चावल की दस साल पुरानी किस्मों पर लगाई गई रोक हटाई जाए। चावल स्टोर करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
- यूरिया व कीटनाशकों के इस्तेमाल को लेकर पॉलिसी बनाई जाए।
- खेती कार्य में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टरों को पॉल्यूशन की परिधि से बाहर किया जाए।
- कर्जे को लेकर वन टाइम सेटलमेंट स्कीम को जनवरी से बढ़ाकर अप्रैल कर किया जाए।
- सिर्फ बछड़ी पैदा करने वाले सीमन की कीमत कम की जाए।
- माइनर को पाइप में कनवर्ट किया जाए। स्मार्ट माइनर बनाई जाए।
- मनरेगा स्कीम को कृषि के साथ जोड़ा जाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरि भूमि........
दिनांक 17.1.2020 .... पृष्ठ सं. 14 .... कॉलम 2-8

हकृवि के बेसिक साइंस सभागार में बजट पूर्व संमंत्रण कार्यक्रम

बजट में किसानों को आधार मानकर लाएंगे रोजगारपरक नीति, बढ़ेगी आय : कृषि मंत्री

- बोले, किसानों से संबंधित परेशानियों को किसान ही बता सकता है, इसी सोच के साथ कार्यक्रम की पहल की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि आगामी बजट में किसानों को आधार मानकर रोजगारपरक नीति लाई जाएगी।

संसाधनों को बढ़ाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता रहेगी। हरियाणा किसानों का प्रदेश है और किसानों से संबंधित परेशानियों को किसान ही बता सकता है। इसी सोच के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बजट पूर्व संमंत्रण कार्यक्रम के आयोजन की पहल की है। कृषि मंत्री दलाल बृहस्पतिवार को हकृवि के बेसिक साइंस सभागार में बजट पूर्व संमंत्रण कार्यक्रम में उपस्थित कृषि क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, वैज्ञानिकों, किसानों तथा बुद्धिजीवियों को संबोधित कर रहे थे।

किसानों की आय बढ़ाने पर रहेगा फोकस

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने बजट पूर्व संमंत्रण के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि सही दिशा और दशा वाला बजट प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अहम साबित होगा। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के माध्यम से प्रदेश के किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप प्रदेश के किसानों की आय को बढ़ाने और उनके जीवन को ऊपर उठाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा कि फसल भंडारण के कार्य में कई खामियां हैं जिसके चलते सरकार को भी इसमें दिक्कत आती है। कोशिश की जाएगी की इस कार्य में किसान को शामिल करके उसकी आमदनी को भी बढ़ाया जाए।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते कृषि मंत्री जेपी दलाल और कृषि मंत्री से संवाद करते प्रगतिशील किसान। फोटो : हरिभूमि

हिसार हवाई अड्डे से विदेश निर्यात की जा सकेगी चीजें

वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने बजट को लेकर विस्तार से बात रखी और निर्यात केंद्र के बारे में दिए गए सुझाव पर कहा कि हिसार के हवाई अड्डे पर दूसरा रनवे जल्द ही तैयार हो जाएगा और यहां ड्राई पोर्ट विकसित करने की कोशिश की जाएगी ताकि प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को आसानी से निर्यात कर सके। उन्होंने उपस्थित किसानों से हिसार हवाई अड्डे के माध्यम से निर्यात की जा सकने वाली चीजों के बारे में सुझाव भी मांगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसानों को जल्द ही शुरू होने वाले दिल्ली-मुबंई रेल कोरिडोर का.लाभ मिलेगा। केएमपी के बन जाने से भी प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को दूसरी जगह तक पहुंचाने में सफल हुए हैं।

अकेले दिल्ली में 30-40 हजार करोड़ का मसालों का व्यापार

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा को हमेशा फायदा मिलेगा कि दिल्ली के तीन ओर हरियाणा की सीमाएं लगती हैं।

सरकार इस प्रयास में है कि दिल्ली के आसपास प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर केंद्र स्थापित किए जाएं जहां से दिल्ली एनसीआर में उत्पादों की सप्लाई हो और किसान अपने उत्पादों को इन केंद्रो तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि अकेले दिल्ली में मसालों का 30-40 हजार करोड़ का व्यापार है।

बासमती एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की योजना

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि आगामी बजट में मशरूम कोल्ड स्टोर जैसी अनेक प्रकार की व्यवस्थाओं को शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में जल्द ही बासमती एक्सीलेंस सैंटर स्थापित करने की योजना है। यहीं नहीं सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर एक बड़ी मिट्टी जांच लैब स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की गन्ना मिलों को सब्सिडी में शामिल में किया गया है ताकि किसानों को समय पर भुगतान हो सके। इसके लिए मीलों को 350 करोड़ रुपये का ऋण भी दिया गया है। अब किसानों के भुगतान का गेप केवल 10 दिन रह गया है।

पशु नस्ल सुधार के लिए धन की कमी नहीं होगी

कृषि मंत्री ने कहा कि बजट में पशु नस्ल सुधार के कार्य के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। सरकार की कोशिश है कि पशु पालन की ओर विशेष ध्यान देते हुए नस्ल सुधार किया जाए और प्रदेश में दुध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में ऐसा सीमन विकसित किया गया है, जिसके प्रयोग से केवल बछड़ी ही जन्म लेती है। इस सीमन को ओर सस्ता करने की कोशिश की जाएगी। इससे नस्ल सुधार के साथ-साथ आवारा पशुओं की समस्या का भी समाधान होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार कृषि व कृषि क्षेत्र और मछली पालन आदि से जुड़े लोगों के प्रोससिंग प्लांट के बिजली के रेटों को तर्कसंगत करने पर विचार कर रही है।

हकृवि अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा : सिंह

इससे पूर्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचने पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश का अग्रणी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कृषि सुधार की दिशा में केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति तथा सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में बढ़चढकर अपना योगदान देगा तथा जो भी जिम्मेवारी उन्हें दी जाएगी उसका निर्वहन करने में सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

बजट पूर्व संमंत्रण कार्यक्रम में यह आए सुझाव

- सरकार टिब्बे वाली जमीन समतल करवाए जाए, ताकि आमदनी को बढ़ाया दिया जा सके।
- देसी गाय मुकाबला नहीं कर पा रही है। दूध के रेट बढ़ाए जाए।
- झींगा मछली को बढ़ावा दिया जाए। करीब 98 फीसद इसका निर्यात एक्सपोर्ट होता है। झींगा में 40-50 लाख की लागत आती थीं, इसमें सबसिडी की सीमा बढ़ाई जाए।
- मत्स्य के लिए पानी की लैब भी बनाई जाए। हर जिला स्तर पर लैब की व्यवस्था हो।
- किसानों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध करवाई जाए।
- चावल स्टोर के लिए जगह नहीं है। इसके लिए उचित व्यवस्था करने की जरूरत है।
- किसानों की आमदनी बढ़ाने व लागत घटाने के लिए कृषि रसायनों व कीटनाशकों को जीएसटी मुक्त किया जाए।
- किसान यूरिया कम व सही प्रयोग करें। लाभ की बजाय नुकसान हो रहा है। खेती को जहर मुक्त बनाने की जरूरत है। खाद डालने के मामले में किसान एक-दूसरे की नकल न करें।
- सब्जियों में जहर ज्यादा है। कानून बनाकर नहीं किसानों को प्रोत्साहित कर जागरूक करने की जरूरत है।

इन्होंने दिए सुझाव

कार्यक्रम में कुरूक्षेत्र से आए दिलबाग सिंह, हरपाल सिंह बाजवा, करनाल से साहब सिंह, कुरूक्षेत्र गुरूकुल के प्रतिनिधि, कमल सिंह चौहान, अंबाला से पुनीत, जगमोहन सिंह, मेवात से हासिल खान, पिहोवा से अनुराग सिंह, पशुपालक राजीव खुराना, पानीपत से नरेंद्र सिंह, गुरूग्राम से प्रदीप, तोशाम से जेपी, कृभको से जेएस राणा, मनबीर सिंह और हंसराज सिंघला ने अपने सुझाव दिए।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 4 कॉलम 1-7

किसानों की हालत सुधारने के लिए बजट पूर्व समंत्रण कार्यक्रम में कृषिमंत्री ने मांगे सुझाव, किसान बोले :

फसलों के भाव मंत्रियों की वेतन वृद्धि के साथ जोड़ दो

—हिसार, 16 जनवरी (रमनदीप): वीरवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में बजट पूर्व समंत्रण कार्यक्रम में कृषिमंत्री जयप्रकाश दलाल किसानों से किसानों के हालात सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या नई योजनाएं शुरू की जाए और पूर्व की योजनाओं में क्या सुधार किया जाए इस पर किसानों से राय ले रहे थे, इस पर कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने कृषिमंत्री से कहा कि सरकार फसलों के भाव को मंत्रियों व नेताओं को मिलने वाले वेतनवृद्धि के साथ जोड़ दे, जितनी उसमें वृद्धि होगी उसी अनुसार फसलों के भाव बढ़ा दिए जाएं।

अगर यह लागू हो जाता है तो किसानों की हालत कुछ सुधर सकती है। कृषि मंत्री ने किसानों की इस मांग को हंसकर टाल दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि आज रासायनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग के कारण कृषि उत्पाद खतरनाक होते जा रहे हैं और ऐसे उत्पादों के कारण लोगों को बीमारियां हो रही हैं।

प्रदेश के बहुत से किसान आर्गेनिक व प्राकृतिक खेती की ओर बढ़े हैं लेकिन आर्गेनिक खेती से पैदा होने वाले उत्पादों को बेचने के लिए प्रमाणिकता की बहुत अधिक जरूरत है। प्रदेश के किसानों ने भी प्रमाणिकता को लेकर मांग की है। आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की सुविधा के लिए प्रदेश में जल्द ही एक एजैंसी स्थापित की जाएगी, जो आर्गेनिक उत्पादों को प्रमाणिकता देगी। इस कार्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी मदद करेगा।

इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी अपनी सहमति दे दी है।

दिल्ली के आस-पास हरियाणा के अलग-अलग स्थानों पर ऐसे केंद्र स्थापित किए जाएं जहां से दिल्ली एन.सी.आर. में उत्पादों की सप्लाई हो और प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को इन केंद्रों तक पहुंचाएं।

बजट में पशु नस्ल सुधार के कार्य के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी।

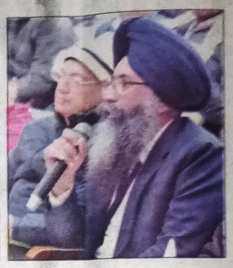

मादा पैदा करने वाले सीमन के रेट कम करने का प्रयास किया जाएगा।

मंच पर मौजूद कृषि मंत्री दलाल, कुलपति प्रो.के.पी.सिंह, अन्य अधिकारी व कृषि मंत्री के सामने सुझाव करते हुए किसान। (छायाः)

किसानों ने दिए ये मुख्य सुझाव

- प्राकृतिक खेती के अलग से रेट निर्धारित किए जाएं।
- फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य महीना अनुसार तय किया जाएं।
- धान की पराली को मशरूम उगाने के लिए तैयार किया जाएं।
- रसायनों व कीटनाशकों को जीएसटी से बाहर किया जाए या जी.एस.टी. किसान को वापस किया जाएं।
- विदेशी नस्ल की गायों को गाय की श्रेणी से बाहर किया जाएं।
- मंडियों में फसल की ग्रेडिंग की व्यवस्था की जाएं।
- हवाई मार्ग से प्रोडक्ट दूसरे देशों पर भेजने पर सरकार मदद करे।
- फसल बीमा का प्रीमियम खुद सरकार वहन करे।
- पशुपालन विभाग का बजट बढ़ाया जाएं।
- पशुपालकों को सोलर प्रोडक्ट दिए जाएं व डेयरी का बिजली रेट कम किया जाएं।
- देशी गाय के दूध को डबल रेट पर खरीद करने का प्रबंध किया जाएं।
- मछली पालन के लिए जिला स्तर पर पानी जांच लैब बनवाई जाएं।
- मछली पालन में प्रयोग होने वाली बिजली के रेट कम किए जाएं।
- बागवानी वाले किसानों के लिए अलग एजैंसी हो।
- किसानों को भी मैडिक्लेम योजना में शामिल किया जाए।
- मादा प्रजनन करने वाले सीमन का रेट कम किया जाए।

हिसार एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यहां से विदेशों में जाएंगे कृषि उत्पाद

वित्त सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने कहा कि हिसार के हवाई अड्डे पर दूसरा रनवे जल्द ही तैयार हो जाएगा और वहां ड्राई पोर्ट विकसित करने की कोशिश की जाएगी ताकि प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को आसानी से निर्यात कर सके। किसानों को जल्द ही शुरू होने वाले दिल्ली-मुंबई रेल कोरिडोर का लाभ मिलेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि आगामी बजट में मशरूम कोल्ड स्टोर जैसी अनेक प्रकार की व्यवस्थाओं को शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश के कई हिस्सों में जल्द ही बासमती एक्सीलैंस सैंटर स्थापित करने की योजना है। इसके अलावा प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर एक बड़ी मिट्टी जांच लैब स्थापित करने का भी निर्णय लिया है।

सी.एम. की जगह पहुंचे कृषि मंत्री

बजट पूर्व समंत्रण में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के आने का कार्यक्रम था लेकिन कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले मुख्यमंत्री के आने का कार्यक्रम स्थगित हो गया। उनके स्थान पर कृषि मंत्री जे.पी. दलाल मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-6

एचएयू में कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में सतत् विकास और समावेशी वृद्धि के लिए बजट से पहले संमंत्रण कार्यक्रम में किसानों ने मंत्री से पूछे सवाल

ऐसा सीमन विकसित, जिसके प्रयोग से बछड़ी ही लेंगी जन्म

कृषि मंत्री जेपी दलाल बोले- कम रेट पर मिल सकेगा सीमन, प्रत्येक ब्लॉक में मिट्टी जांच लैब बनेगी

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू में गुरुवार को कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में सतत् विकास और समावेशी वृद्धि के लिए बजट पूर्व संमंत्रण का आयोजन किया गया। इसमें कृषि मंत्री और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव पीके दास, वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रधान सचिव नीरजा शेखर, महानिदेशक राजकोषीय प्रबंधन विकास गुप्ता, हरियाणा कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक जे गणेशन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के निदेशक शेखर विद्यार्थी, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक चंद्र शेखर खरे ने किसानों से कृषि के क्षेत्र में होने वाले बदलाव और मांगों को लेकर सुझाव मांगे।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जेपी दलाल और अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि हरियाणा में ऐसा सीमन विकसित किया गया है, जिसके प्रयोग से केवल बछड़ी ही जन्म लेती है। इस सीमन को और सस्ता करने की कोशिश की जाएगी। इससे नस्ल सुधार के साथ-साथ बेसहारा पशुओं की समस्या का भी समाधान होगा। बेसहारा पशु सड़कों पर नजर नहीं आएंगे। यही नहीं प्रदेश की गन्ना मिलों को सब्सिडी में शामिल में किया गया है ताकि किसानों को समय पर भुगतान हो सके। इसके लिए मिलों को 350 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है। अब किसानों के भुगतान का गेप केवल 10 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कई हिस्सों में जल्द ही बासमती एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की योजना है। सरकार ने प्रदेश के हर ब्लॉक मुख्यालय पर एक बड़ी मिट्टी जांच लैब स्थापित करने का भी निर्णय लिया है।

ड्राई पोर्ट विकसित करने का प्रयासः वित्त सचिव

वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने बजट को लेकर विस्तार से बात रखी और निर्यात केंद्र के बारे में दिए सुझाव पर कहा कि हिसार के हवाई अड्डों पर दूसरा रन-वे जल्द ही तैयार हो जाएगा और यहां ड्राई पोर्ट विकसित करने की कोशिश की जाएगी ताकि प्रदेश के किसान अपने उत्पादों को आसानी से निर्यात कर सके। इससे पूर्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कार्यक्रम में पहुंचने पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल एवं वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का स्वागत किया।

आर्गेनिक उत्पादों की प्रमाणिकता के लिए जल्द ही एक एजेंसी स्थापित की जाएगी। आर्गेनिक प्रमाणिकता एजेंसी को विश्वविद्यालय और विभाग के माध्यम से संचालित किया जाएगा और प्रदेश के किसानों के आर्गेनिक उत्पादों के लिए प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। कहा कि आर्गेनिक एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की सुविधा के लिए प्रदेश में जल्द ही एक एजेंसी स्थापित की जाएगी, जो आर्गेनिक उत्पादों को प्रमाणिकता देगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी मदद करेगा। इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी अपनी सहमति दे दी है। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केपी सिंह, डीसी डॉ. प्रियंका सोनी आदि मौजूद रहे।

सब्सिडी के आधे रुपए पहले ही देने से लेकर बिजली की सही आपूर्ति, मेडिक्लेम देने का किसानों ने रखा सुझाव

हिसार | नूंह के किसान हासिम ने सुझाव रखा कि सब्सिडी का आधा रुपया पहले ही दिया जाना चाहिए। जिससे वह अपना काम सही तरह से शुरू कर सके। इसके अलावा हासिम ने नूंह के किसानों की पानी की समस्या के भी समाधान की मांग की। राजीव ने कहा कि पशु मेला ग्राउंड में किसानों के लिए पानी से लेकर अन्य सुविधाएं नहीं होती हैं। इसके कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जबकि पंजाब में आयोजित मेले में हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

पानीपत के किसान नरेंद्र सिंह ने कहा कि 27 किलो से अधिक दूध देने वाली भैंस के रिकॉर्ड के लिए भी कैटेगिरी बनाई जानी चाहिए। सोनीपत के किसान चरणवीर ने दूध के रेट बढ़ाने का सुझाव दिया। गुरूग्राम के संदीप ने कहा कि मछली पालन के लिए प्रदेश में जमीन की कमी है। वह उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा बिजली बिल इंडस्ट्रियल रेट से न वसूल किया जाएं। मंत्री ने कहा कि सरकार मछली पालन को बढ़ावा देने को प्रयास कर रही है। किसानों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

हिसार के किसान मनवीर ने कहा कि रात में 12 बजे के बाद बिजली आपूर्ति दी जाती है। बिजली को 12 बजे से पहले दिया जाए, ताकि समय से खेतों की पलेवा की जा सके।

गुड़गांव के किसान मान सिंह यादव ने सुझाव दिया कि किसानों को समय-समय पर मेडिक्लेम भी मिलना चाहिए। साथ ही ट्रैक्टर को प्रदूषण मुक्त किया जाए। अम्बाला के विकास ने खेतों से चोरी होने वाले पानी के लिए अलग से योजना बनाने का सुझाव दिया। तालाबों पर भी सोलर पंप की व्यवस्था कराने की मांग की।

प्रगतिशील किसान के सवाल का जवाब देते कृषि मंत्री जेपी दलाल।

किसानों के आए सुझावों को बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। किसानों से कई तरह के सुझाव प्राप्त हुए हैं।
-जेपी दलाल, कृषि मंत्री, हरियाणा

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-5

कृषि मंत्री बोले• किसानों की आमदनी बढ़ाने, पशु नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर सरकार का ध्यान

अब प्रत्येक गांव में अधिक दूध देने वाली भैंस को भी चिह्नित करेगा कृषि विभाग

भास्कर न्यूज | हिसार

अब प्रदेश के हर गांव में अधिक दूध देने वाली भैंसों को भी कृषि और पशुपालन विभाग चिह्नित करेगा। यही नहीं इसके बाद भैंसे का पता लगाकर उसके सीमन से अधिक से अधिक टीके बनाए जाएंगे। उक्त बातें कृषि मंत्री जेपी दलाल ने गुरुवार को एचएयू में मीडिया से बातचीत करते हुए कही। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में पशुओं के नस्ल सुधार से लेकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने को प्रयासरत है। मछली और झिंगा पालन को बढ़ावा देने के लिए भी किसानों की पूरी मदद की जाएगी। इसके अलावा जगह-जगह प्रोसेसिंग यूनिट भी लगवाई जाएंगी। किसानों की आमदनी बढ़ाने को उनके प्रोडक्ट में वैल्यू एड करने के लिए मदद की जाएगी। प्रत्येक गांव में ऐसी भैंसों को चिह्नित किया जाएगा, जो अधिक दूध देती हैं। ताकि अच्छी नस्ल के भैंसे के सीमन से टीके तैयार कराए जा सके और नस्ल में सुधार हो। दावा किया कि आने वाले समय में हरियाणा प्रदेश प्रदेश की इकलौता ऐसा प्रदेश होगा, जिसमें किसानों की सबसे अधिक आमदनी होगी। धान घोटाले के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में धान घोटाले जैसी कोई बात नहीं है। कुछ जगह पर धान कम मिला था। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। किसानों के लिए बिजली यूनिट कम करने पर भी विचार किया जाएगा।

एचएयू में चल रहे कृषि एवं सहबद्ध क्षेत्रों में सतत् विकास और समावेशी वृद्धि के लिए बजट पूर्व संमत्रण में मंत्री डॉ. जेपी दलाल किसानों से सुझाव मांग रहे थे। इसी बीच एक किसान ने कहा कि मंत्री जी फसल बीमा योजना को बंद कर देना चाहिए। इससे किसानों को कोई फायदा नहीं होता है। जिस पर मंत्री भड़क गए तथा कहा कि राजनीति नहीं करो, सिर्फ सुझाव दो।

एचएयू में बजट पूर्व संमत्रण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कृषि मंत्री जेपी दलाल।

एचएयू में बजट पूर्व संमत्रण कार्यक्रम में मौजूद किसान और अन्य।

डायबिटीज-हार्ट रोगों पर अंकुश में मोटा अनाज कारगर

साइंटिस्ट्स की रिसर्च में खुलासा

मिड डे मील और महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा दिए जा रहे खाद्य पदार्थों में भी न्यूट्रीशन को शामिल कराने का प्रयास रहे नेशनल टेक्नीकल बोर्ड ऑफ न्यूट्रीशन

हिसार। डायबिटीज से लेकर हार्ट संबंधी रोगों पर अंकुश लगाने में ज्वार, बाजरा, रागी और मक्का जैसे मोटे अनाज कारगर हैं। इनका सेवन शुरू कर देना चाहिए। वैज्ञानिकों की रिसर्च में यह बात सामने आई है। मोटे अनाज से तैयार प्रोडेक्ट की बिक्री और किसानों को जागरूक करने के लिए देशभर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यही नहीं जल्द ही मिड डे मील में भी मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों का सेवन किया जा सकेगा। इस बारे में सरकार को पत्र भेजा जा रहा है। एचएयू में चल रहे राष्ट्रीय स्तर के दो दिवसीय नेशनल इन्क्यूबेटर कॉलोक्विम प्रोग्राम में मंगलवार को महाराष्ट्र विलेज सेशनल ट्रांसफॉर्मेशनल फाउंडेशन के सलाहकार और नेशनल टेक्नीकल बोर्ड ऑफ न्यूट्रीशन के सदस्य डॉ. राज भंडारी भी पहुंचे।

डॉ. राज कुमार भंडारी।

भंडारी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पुराने समय में लोग मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों का सेवन करना अधिक पसंद करते थे। मगर समय बीतने के साथ-साथ लोगों ने गेहूं, धान का अधिक प्रयोग और सेवन करना शुरू कर दिया है। रिसर्च में सामने आया कि अनाज के ज्यादा खाने से जहां सेवन पर नुकसान होता है। वहीं पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है।

अब यह स्टडी में भी साबित हो गया है। मोटा अनाज सेहत ही नहीं, पर्यावरण को भी दुरुस्त रखता है। भारत में ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, जौ और कई अन्य मोटे अनाज उगाए जाते हैं। ये अनाज आयरन, कॉपर, प्रोटीन जैसे तत्वों से तो भरपूर होते ही हैं, गेहूं, धान जैसी फसलों की तरह ग्रीन हाउस गैसों के बनने का कारण भी नहीं बनते। यही नहीं डायबिटीज से लेकर हार्ट रोगों पर भी कुछ हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

गेहूं-धान उगाने में यूरिया का यूज खतरनाक : डॉ. राज भंडारी ने बताया कि गेहूं और धान को उगाने में यूरिया का बहुत प्रयोग किया जाता है। यूरिया जब विघटित होता है तो नाइट्रस ऑक्साइड, नाइट्रेट, अमोनिया और अन्य तत्वों में बदल जाता है। नाइट्रस ऑक्साइड हवा में घुलकर स्वास्थ्य के लिए खतरा बनता है। इससे सांस की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यह एसिड रेन का कारण भी बनती है। यह गैस तापमान में भी काफी तेजी से बढ़ोतरी करती है। बताया कि मोटे अनाज को पैदा करने के लिए सरकार मदद भी दे रही है। किसानों को भी गोष्ठी के माध्यम से मोटे अनाज की अहमियत बताई जा रही है।

कम पानी में भी उग जाते हैं मोटे अनाज

गेहूं और धान के विपरीत मोटे अनाजों को उगाने के लिए यूरिया की खास जरूरत नहीं होती। वह कम पानी वाली जमीन में भी आसानी से उग जाते हैं। इस कारण ये पर्यावरण के लिए ज्यादा बेहतर होते हैं।

सरकार का जोर : मोटे अनाजों का रकबा कम हो रहा है और किसान उन्हें कम उगा रहे हैं, वहीं सरकार इन्हें बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। वह इनके पोषक गुणों को देखते हुए लोगों से इनका ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए कह रही है। जल्द ही मोटा अनाज मिड-डे मील में शामिल होगा।

एचएयू में तैयार कर दिए कई प्रोडक्ट

एचएयू की प्रोफेसर डॉ. आशा कुवात्रा ने बताया कि न्यूट्रीशन बाजरा, मक्का आदि से विश्वविद्यालय में कई तरह के खाद्य पदार्थ तैयार किए जा रहे हैं। जिनमें बिस्टिक, ढोकला, मट्ठी आदि शामिल है। किसानों को भी खाद्य पदार्थ तैयार करने के संबंध में ट्रेनिंग दी जा रही है। कई किसानों को ट्रेंड भी किया जा चुका है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 15 कॉलम 1-4

अनाज की बिलिंग हरियाणा में तो खपत दिल्ली की मार्केट में हो : जेपी दलाल

प्री-बजट मंत्रणा कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए 24 वक्ताओं ने बजट के लिए दिए सुझाव

जागरण संवाददाता, हिसार: पहले बजट में क्या होना चाहिए, इसके लिए सरकार ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बेसिक साइंस ऑडिटोरियम में प्री-बजट मंत्रणा कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता सीएम मनोहर लाल को करनी थी मगर बारिश के कारण वे नहीं आ पाए तो कृषि मंत्री जेपी दलाल ने मंत्रणा का मंच संभाला। पूरे कार्यक्रम में रायशुमारी करने के लिए प्रदेशभर से कृषि व इससे जुड़े हुए सेक्टरों से 24 वक्ताओं को बुलाया था। इसमें कई एसोसिएशन, प्रगतिशील किसान, एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल थे, जिनके सुझावों को आइएएस अधिकारियों ने बजट में शामिल करने के लिए नोट किया। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि इस बजट से हम चाहते हैं कि हमारे अनाज की बिलिंग हरियाणा में तो खपत दिल्ली की मार्केट में हो। जिससे हरियाणा के राजस्व में इजाफा हो और किसान भी समृद्ध बनें। वहीं 24 वक्ताओं के सुझावों पर नजर डाली जाए तो कुछ मुद्दों पर एक राय निकलती है। अधिकांश लोगों ने सरकार से कहा कि कृषि से जीएसटी हटाने के लिए कुछ करे या टैक्स कम करे, जहरमुक्त खेती को हर गांव तक पहुंचाने के लिए नीतियां बनें। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव पीके दास, वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रधान सचिव नीरजा शेखर आदि मौजूद रहे।

बजट पूर्व समंत्रण कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल, मंच पर बैठे दाएं से डा. टीबी एसएन प्रसाद, पीके दास, संजीव कौशल, कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह व डा. नीरजा शेखर। ● जागरण

किसानों ने सरकार को दिए यह सुझाव

- दिलबाग सिंह ने कहा कि बजट में प्राकृतिक खेती पर पर जोर देना चाहिए। इससे निकलने वाले प्रोडक्टों के अलग रेट हों, इसकी मार्केट भी अलग हो।
- हरपाल सिंह ने कहा कि मशरूम की खेती के लिए बिजली लगातार चाहिए। बटर मशरूम में पराली का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे में पांच यूनिट स्थापित की जानी चाहिए।
- प्रगतिशील किसान साहब सिंह ने कहा कि कृषि में खर्चे बढ़ गए हैं, ऐसे में कृषि उत्पादों पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानि जीएसटी नीचे की स्लैब में या कम किया जाए। शुगर केन हार्वेस्टर को कस्टम हायरिंग सेंटर में लाया जाए।
- कुरुक्षेत्र गुरुकुल से शमशेर सिंह ने बताया कि गेहूं का स्टॉक करने में समस्या आती है, इसका प्रबंध किया जाए। प्राकृतिक खेती को प्रदेशभर में बढ़ाया जाए। प्राकृतिक खेती के लिए सर्टिफिकेशन एजेंसी बनानी चाहिए। प्राकृतिक खेती के प्रोडक्ट का सही मूल्य भी किसानों को मिले।
- प्रगतिशील किसान कंवल सिंह चौहान ने कहा कि किसानों को बिजली नहीं मिल पा रही। खेतों के सहारे खरंजे बनें तो सामान आसानी से लाया लेजाया जा सकता है। तालाबों का जीर्णोद्धार हो, जीएसटी को या तो कम किया जाए या हटाया जाए। क्योंकि किसान जो बेचते हैं, उस पर जीएसटी उन्हें वापस नहीं मिलता।
- प्रगतिशील किसान जगमोहन सिंह के पुत्र ने बताया कि अब सरकार को ग्लोबली सोचना होगा। हमें निर्यात करने के लिए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर ध्यान देना पड़ेगा।
- प्रगतिशील किसान राजीव खुराना ने कहा कि पशुपालन कृषि विभाग से जुड़ा हुआ है। इसमें बजट भी कम है। ऐसे में अलग से बजट बनाया जाए।
- प्रगतिशील किसान प्रदीप कुमार ने झींगा मछलीपालन को बढ़ाने की बात कही और खारे पानी की उपलब्धता के लिए बोरिंग की अनुमति देने को कहा।

अधिकारियों को यह सुझाव

- दिल्ली के पास हम ऐसी मार्केट तलाशें, जहां प्रदेशभर के किसानों के आर्गेनिक प्रोडक्ट बिक सकें।
- हमारा फोकस पानी बचाने पर होना चाहिए, थोड़े पानी वाली फसलें अपनाएं।
- भंडारण की समस्या से निपटने को किसानों को पार्टनर बनाएं।
- दिल्ली के मसाला मार्केट की खपत हरियाणा से होनी चाहिए।
- प्राकृतिक खेती को हर गांव तक पहुंचाएं, सर्टिफिकेशन एजेंसी का भी प्रावधान करें।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 5-6

कृषि मंत्री की किसानों से बजट पूर्व चर्चा, बोले

किसान व खेती से जुड़े लोगों के लिए लाभकारी होगा बजट

हिसार, 16 जनवरी (निस)

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि आर्गेनिक उत्पादों की प्रमाणिकता के लिए जल्द ही एक एजेंसी स्थापित की जाएगी। आर्गेनिक प्रमाणिकता एजेंसी को विश्वविद्यालय और विभाग के माध्यम से संचालित किया जाएगा और प्रदेश के किसानों के आर्गेनिक उत्पादों के लिए प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। गन्नौर की मंडी में किसानों की एफपीओ के लिए अलग प्लाट अलॉट करने के लिए बिडींग करवाई जाएगी।

कृषि मंत्री जेपी दलाल बृहस्पतिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बजट पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित कृषि क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाला बजट प्रदेश के किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव पीके दास, वित्त सचिव टीवीएसएन प्रसाद, पशुपालन एवं डेयरी विभाग की प्रधान सचिव नीरजा शेखर, महानिदेशक राजकोषीय प्रबंधन विकास गुप्ता, हकृवि कुलपति केपी सिंह, लुवास कुलपति गुरदयाल सिंह सहित बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित थे।

दलाल ने कहा कि आज रासायनिक उत्पादों के अत्यधिक उपयोग के कारण कृषि उत्पाद खतरनाक होते जा रहे हैं और ऐसे उत्पादों के कारण लोगों को बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बहुत से किसान आर्गेनिक व प्राकृतिक खेती की ओर बढ़े हैं लेकिन आर्गेनिक खेती से पैदा होने वाले उत्पादों को बेचने के लिए प्रमाणिकता की बहुत अधिक जरूरत है। प्रदेश के किसानों ने भी प्रमाणिकता को लेकर मांग की है और इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी अपनी सहमति दे दी है। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के माध्यम से प्रदेश के किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाएगी।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक 16. 1. 2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 6-8

हिसार. *हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बेसिक साईस कॉलेज सभागार में कृषि मंत्री जेपी दलाल कृषि व कृषि से संबंधित सहायक क्षेत्रों के विशेषज्ञों से प्रदेश के बजट से पूर्व मंत्रणा करते हुए। इस बैठक को मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के स्थान पर कृषि मंत्री ने संबोधित किया।*

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 4 कॉलम 6.8

Dalal holds pre-Budget meeting with farmers

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JANUARY 16

Says state to get a centre for organic certification soon

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University organised a two-day National Incubators Colloquium at an auditorium of Home Science College. Minister of Agriculture and Farmers' Welfare Jai Parkash Dalal was the chief guest. Dalal said the state government had planned to set up a centre for certification of organic products in the state.

Dalal interacted with farmers at the university to take their views on allocation to agri sector in the upcoming Budget. During the interaction, some farmers raised their concern that people were selling products with a tag of organic product but there is no centre for certification in the state for its verification.

During the programme, additional chief secretary (ACS) of Agriculture and Farmers' Welfare Department Sanjeev Kaushal said there was also a plan for dedicated mushroom cold-storage in Haryana. He said, "Mushroom is a perishable vegetable and dedicated cold-storage will benefit the growers."

Finance secretary TVSN Prasad said with the expansion of Hisar's airport runway, the government had a plan to build it as a dry-port which will benefit the farmers in exporting their vegetables to various places.

Food and Supply additional chief secretary PK Das, Animal Husbandry and Dairy Department principal secretary Nirja Shekhar, Fiscal Managment director general Vikas Gupta, Agriculture Marketing Board chief administrator J Ganeshan and Environment and Climate Change director Shekhar Vidhyarthi, Agriculture Department director CS Khare, and Deputy Commissioner Hisar Priyanka Soni were also present.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम Times of India
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 5 कॉलम 1

Agency for organic produce soon: Min

Hisar: Haryana agriculture and farmers welfare minister J P Dalal said here on Thursday that an agency would soon be set up to certify organic products.

Dalal was addressing people from the agriculture sector during a pre-budget programme in the auditorium of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. "The certifying agency will be run through the university HAU and the farm department. Certificates will be given for organic products to the farmers. The coming budget will prove beneficial for farmers," he said. TNN

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 6

2-DAY NATIONAL INCUBATORS COLLOQUIUM

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University organised a two-day National Incubators Colloquium at an auditorium of Home Science College. Minister of Agriculture and Farmers' Welfare Jai Parkash Dalal was the chief guest and National Institute of Food Technology Entrepreneurship and Management Vice-Chancellor Chindi Vasudevappa was the guest of honour. Dalal stated that the Agri Business Incubation Center started in Haryana Agricultural University was playing an essential role towards starting agro based enterprises. He inaugurated and observed the exhibition of startups set up by ABIC. Dalal said HAU was proving to be a boon for small farmers who were unable to market their produce. He said agriculture had become technology based and it was necessary to extend the benefits of technology to the youth of rural area.

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला

दिनांक: 17.1.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-2

मुख्य सचिव पीके दास ने एचएयू में निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट का किया दौरा

हिसार। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के मुख्य सचिव पीके दास ने वीरवार को एचएयू में निर्माणाधीन बायोगैस प्लांट का दौरा किया। इस दौरान कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उन्हें प्लांट के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य सचिव ने इस तरह के प्लांट प्रदेश के गांवों में लगाने को लेकर भी कुलपति से बातचीत की। बता दें कि एचएयू में बायोगैस प्लांट तैयार किया जा रहा है। इस प्लांट में फसलों के अवशेषों से बायोगैस व बिजली तैयार की जाएगी। यह प्रदेश का ऐसा पहला प्लांट है। आने वाले समय में इस तरह के प्लांट प्रदेश के अन्य जगहों पर भी बनाए जाने की योजना है, ताकि किसान फसल अवशेषों के भी कमाई कर सकें। इस तरह के प्लांट तैयार होने से प्रदेश में पराली जलाने की समस्या का भी समाधान हो जाएगा। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक 17.1.2020...... पृष्ठ सं. 13...... कॉलम 1-5......

मेहनत का फल नैनीताल, मसूरी, हिमाचल प्रदेश में पर्यटन स्थलों पर शुरू किया था शहद की कॉफी और चाय का वेंचर

10 लाख से शुरू किया हनी हट, करोड़ों में पहुंचा टर्न ओवर

वैभव शर्मा • हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्तर का दो दिवसीय नेशनल इन्क्यूबेटर्स कोलोक्वियम का गुरुवार को समापन हुआ। इसमें चंडीगढ़ से आए रीजनल सेंटर फॉर अंत्रप्रन्योरशिप डिवलपमेंट के डायरेक्टर परमजीत सिंह चावला के हनी हट की चाय और काफी हर कोई चखना चाहता है।

क्योंकि इन्होंने सोचा कि लोगों को चाय, कॉफी और दूसरे प्रोडक्ट अगर शहद के साथ दिए तो उनकी सेहत भी अच्छी रहेगी और पसंद भी किया जाएगा। ऐसे में शिमला में नौ लाख 75 हजार रुपये का लोन लेकर हनी हट करके काम शुरू किया, जिसमें शहद के साथ चाय, कॉफी व दूसरे पेय पदार्थ दिए। लोगों को पसंद आया तो अब यह काम देश में कई क्षेत्रों में शुरू कर दिया है। खासकर मसूरी, नैनीताल, हिमाचल प्रदेश जैसे स्थान जहां टूरिस्ट बहुतायात में आते हैं। इस काम को जब करोड़ों रुपये के टर्नओवर तक पहुंचा दिया तो इस काम के सफल होने के बाद उनके पास कई लोग राय लेने आते थे। ऐसे में अब वह रीजनल सेंटर फॉर अंत्रप्रन्योरशिप डिवलपमेंट शुरू कर चुके हैं और लोगों को लोगों को अंत्रप्रन्योर बनाने में मदद करते हैं। वह बिजनेस अब उनके भाई संभाल रहे हैं।

परमजीत सिंह। जागरण

09 लाख 75 हजार रुपये का लिया था लोन, शहद की चाय व कॉफी के साथ दूसरे पेय पदार्थों के लोग हुए मुरीद

नवाचारों पर जोर देना जरूरी, प्रशिक्षण देने के लिए तैयार एबिक सेंटर

इस दौरान वक्ताओं ने स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को विभिन्न स्कीम व विचारों को बिजनेस बनाने की राय दी। उन्होंने बताया कि आपको ऐसी समस्याओं को खोजना होगा जो अधिक से अधिक लोगों को प्रभावित कर रही है। समस्याओं को जानने के बाद आपको उनके समाधान पर काम करना होगा। इसके बाद ही आप स्टार्ट-अप के लिए तैयार होंगे। एचएयू में एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर ऐसे नवाचारों को पूरा करने के लिए तकनीकि से लेकर फाइनेंस प्रबंधन तक का प्रशिक्षण देता है। कार्यक्रम में आने वाले युवाओं ने प्रदर्शनी में लगी स्टॉलों पर विभिन्न प्रोडक्टों को भी देखा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 1-8

फ्लावर कार्निवल में विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

एचएयू में चल रहे दो दिवसीय गोल्डन जुबली पत्तावर कार्निवल-2020 का समापन

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-7

एचएयू के कृषि पर्यटन केंद्र में गोल्डन जुबली फ्लावर कार्निवल का हुआ समापन

पेंटिंग में बचपन, रंगोली में नेचर तो मेहंदी में झलका कल्चर

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के गोल्डन जुबली फ्लावर कार्निवाल के दूसरे दिन भी फ्लावर लवर्स की संख्या पहले दिन की अपेक्षा ज्यादा रही। फूलों की खूबसूरती को निहारने के साथ उनके रंगों की वैरायटीज, अकार, प्लांटेशन और केयरिंग के बारे में जानने में खूब की दिलचस्पी नजर आई। इसके साथ ही आखिरी दिन हुई रंगोली, मेहंदी और पेंटिंग कम्पटीशन हुए। जिसमें रंगोली में स्टूडेंट्स ने नेचर के रंग दिखाए तो वहीं पेंटिंग में खास स्कूल की थीम पर खिलखिलाता बचपन और सेफ इन्वायरमेंट नजर आया। इसके साथ ही मेहंदी में बड़ी ही बारीकी से कल्चर को हाथों पर स्टूडेंट्स ने उकेरा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला
दिनांक: 17.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-6

एचएयू में पुष्प प्रदर्शनी

अमर उजाला

एचएयू में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी के दौरान मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेतीं युवतियां।

फूल प्रदर्शनी

हिसार। एचएयू में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में फूलों की खूबसूरती को निहारतीं युवतियां।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

प्रदेश में शीत लहर से 8 डिग्री तक गिरा पारा

आगे ऐसा रहेगा मौसम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि 17 जनवरी को भी कहीं-कहीं बादल वा गरज-चमक व हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 17 और 20 जनवरी की रात भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम बदलेगा, हालांकि इन हलचलों का ज्यादा असर हरियाणा में नहीं दिखेगा। इस दौरान सिर्फ बादलों का आना जाना जारी रहेगा।

पंजाब, राजस्थान में आंधी, बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के चलते पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश में शुक्रवार को बारिश व आंधी की चेतावनी जारी की है। अगले दो दिनों में हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में बारिश हो सकती है। साथ ही पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और त्रिपुरा में अगले दो दिन घना कोहरा छाया रहेगा।

चंडीगढ़ में मौसम खराब होने से नहीं पहुंच सके सीएम

हिसार। एचएयू और जीजेयू के कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल को हिसार आना था, लेकिन मगर चंडीगढ़ में मौसम खराब होने के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। मुख्यमंत्री के न आने पर एचएयू में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक हॉस्टल व दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया।

चंडीगढ़ में मौसम खराब होने से नहीं उड़ सका मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर, नहीं आ पाए हिसार

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल को वीरवार को हिसार आना था। मगर चंडीगढ़ में मौसम खराब होने के कारण उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। सुबह 9:55 बजे मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर एचएयू के क्रिकेट स्टेडियम में बनाए गए हेलीपैड पर उतरना था। यहां उन्हें पहले अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक हॉस्टल व दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केंद्र का उद्घाटन करना था। इसके बाद एचएयू के बेसिक साइंस कॉलेज में बजट पूर्व समंत्रण कार्यक्रम में शिरकत करनी थी।

इसके बाद दोपहर डेढ़ बजे उन्हें गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) में टीचिंग ब्लॉक-8 व गर्ल्स हॉस्टल-4 के तृतीय चरण के विस्तार का उद्घाटन और इंटरनेशनल हॉस्टल व 10 ई-टाइप मकानों शिलान्यास करना था।

मुख्यमंत्री के न आने पर एचएयू में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक हॉस्टल व दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। मगर बजट पूर्व समंत्रण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की जगह कृषि मंत्री जेपी दलाल ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उधर जीजेयू में विधायक डॉ. कमल गुप्ता ने मुख्यमंत्री की जगह कार्यक्रम में शिरकत की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

आठ किमी. की गति से चली हवाओं ने ठिठुराया

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक असर से दिन भर बादल छाये रहे। साथ ही आठ किलोमीटर की गति से चली हवाओं ने ठंड बढ़ा दी। इसका असर यह हुआ कि दिन का तापमान सामान्य से आठ डिग्री नीचे पहुंच गया। हालांकि रात का तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा रहा।

दिन का तापमान सामान्य से आठ डिग्री नीचे पहुंचा, बारिश की संभावना

एचएयू के कृषि मौसम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि 17 जनवरी को कहीं-कहीं बादल या गरज-चमक व हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है। बता दें कि इस माह में अब तक 3.4 एमएम बारिश हो चुकी है। 6 जनवरी को 1.3 एमएम, 7 जनवरी को 0.3 एमएम व 13 जनवरी को 1.8 एमएम बारिश हुई थी। वीरवार सुबह से ही बादल छाये रहे। हालांकि सुबह 10 बजे एक बार सूर्य देवता ने दर्शन दिए। मगर कुछ ही देर में दोबारा से बादल छा गए। बादलवाही व तेज हवा ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। वहीं देर शाम तक बादल छाये रहे। सुबह साढ़े आठ बजे वातावरण में नमी की मात्रा 97 प्रतिशत थी, जो शाम साढ़े पांच बजे घटकर 77 प्रतिशत हो गई।

चार दिनों में दिन के तापमान में आठ डिग्री से ज्यादा की गिरावट

पिछले चार दिनों में दिन के तापमान में आठ डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। 12 जनवरी को दिन का तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को 12.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

मौसम

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
12 जनवरी	21.5	6.3
13 जनवरी	18.5	13.2
14 जनवरी	15.2	3.5
15 जनवरी	14.6	2.6
16 जनवरी	12.9	5.5

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 17.1.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

एनिमल अटेंडेंट और एचटेट पास कराने के नाम पर 7.50 लाख ठगी का आरोपी काबू

एचएयू के भर्ती बोर्ड का एचओडी, पिता को आईएएस और शिक्षा बोर्ड अधिकारी का परिचित बताता था आरोपी

भास्कर न्यूज | हिसार

लुवास में एनिमल अटेंडेंट पद पर नौकरी लगवाने और एचटेट परीक्षा में पास करवाने के नाम पर 7.50 लाख रुपये ठगने के मामले में मुजादपुर वासी कर्मबीर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश करके 2 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी के खिलाफ मिलगेट थाना में करीब 6 लाख ठगने का केस दर्ज है। जांच अधिकारी बलजिंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की धरपकड़ के अलावा ठगी राशि बरामद करने का प्रयास किया जाएगा।

गौरतलब है कि पीड़ित सेक्टर 9-11 वासी प्रदीप बूरा की शिकायत पर मुजादपुर निवासी कर्मबीर के खिलाफ 7.50 लाख ठगने का केस दर्ज हुआ था। बूरा ने बताया था कि एक साल पहले कर्मबीर के साथ मुलाकात हुई थी। तब उसने खुद को डॉक्टर परमजीत मलिक बताया था। कहता था कि एचएयू में भर्ती बोर्ड का एचओडी हूं। मेरे पिता जय सिंह है जोकि आईएएस हैं। इनकी पोस्टिंग शिक्षा विभाग पंचकूला में है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अधिकारी जगबीर से मेरी अच्छी जान पहचान है। मेरे पिता की प्रमोशन भी होने वाली है। जल्द ही हिसार के डीसी पद का कार्यभार संभालेंगे। आरोप है कि वह लगातार मुझे फोन करने के साथ मिलता भी रहा। एक दिन फोन करके बताया कि लुवास में एनिमल अटेंडेंट की पोस्ट निकली है। वहां नौकर लगवा सकता हूं। इसका फार्म भरा हुआ तो और भी आसानी होगी। इसमें मेरे पिता सहयोग करेंगे। एक लाख रुपये का खर्च आएगा। आरोप है कि इसके बाद मेरे रिश्तेदार अमित को नौकरी लगवाने के नाम पर सेक्टर 9-11 के मोड़ पर आकर एक लाख रुपये लेकर चले गया। उसके 10 दिन बाद फोन आया कि मेरे पिता जय सिंह को आईएएस कोटे से एचटेट परीक्षा करवाने की जिम्मेदारी मिली है। शिक्षा बोर्ड अधिकारी से जान-पहचान का हवाला दिया। एक प्रार्थी को पास करवाने के लिए एक लाख रुपये खर्च आएगा। ऐसे में रिश्तेदारों से बात की। 8 लाख रुपये कर्मबीर को दिए थे। न नौकरी लगी और न एचटेट परीक्षा करवाई तो शक हुआ। पड़ताल करने पर उसका परमजीत नाम, पिता आईएएस की बात झूठी निकली थी। विरोध करने के बाद उसने 50 हजार रुपये कैश खाते में डलवाए थे।